

DPN 6242

Title : विशेष संध्या विधान / *VIŚEṢAŚANDHYĀVIDHĀNA*

Run. No. 6933

Cat. No. 69

Micro. No.

Subject *तान्त्रिक कर्मकाण्ड*
Tāntrika ritual

Religion Hindu / Bauddha

Language : ☒ Skt. / ☒ New. / ☒ Nep. / ☒ Skt.- New. / ☒ Maith.- New. / ☒ New.- Nep. /

Size in cms. 28.7 X 11

Folios 3

Lines (in a page) 8/9

☒ Compl. / ☐ Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

राजेन्द्र श्रेष्ठ

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : ☒ New. / ☒ Dev. / ☒ Bhuj. / ☒ Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / ☒ paper / ☒ thyasaphu /

Condition : ☒ fine / ☐ damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

इति विशेषसंध्याविधानं समाप्तं ॥

At the margin: Ni. (कौमारी निस्वनादिपूजा)

[illegible]

नैकुलमार्गदुरेववायता॥ नैसूर्यार्घ्यदत्ता॥ नताऊर्य॥ नैमिहनाथयविमद॥ गीनाथायधीमदि
 ॥ नन४सिद्धि४यथादया॥ यथा॥ किऊर्यदत्ता॥ सूर्यायनिवदयं॥ ननमुनय्यथं॥ उ०पि
 नामरानपिहृनसिद्धान्॥ नानसर्वानपिपिनामरानोदवांमुमानवानसर्वान्॥ नय्यं०नायप
 पुरे०॥ नैगिव०कि०कलामाया॥ गगवक्तामहावला०विद्याविध्यं०वगो०सर्वं॥ नृप्यनु०ग०
 ०वगो०॥ गी०कुडिकायनामाना॥ वी०यमा०ना०नथयना॥ वजावद०व्वी०सं०ध्या०॥ गयरीकुलनायका
 ॥ निख०अ०निपू०नानि०या०॥ मालिनीगु०क०कालिका॥ गी०धा०वा०व०ज०वा०मू०अ०॥ व०अ०मा०हृ०रु०ने०व०
 ॥ नृप्यनु०व०वि०ना०का०ना०॥ वसू०ध०वा०सू०म०रु०ला०॥ सिद्धाव०निपू०ना०द०वी०॥ नृप्यनु०व०म०सं०रु०वा०॥ सि
 द्धावा०ग०व्वी०वि०धी०॥ सूर्य०म०गु०ल०रु०दनी०॥ पा०ज०ली०खं०व०वी०वि०द्या०॥ पा०या०स०रु०या०म०हा०स०वा०॥ द
 ल०खा०वि०ज०या०व०रु०॥ मा०रु०नी०ज०रु०नी०ज०या०॥ सं०जी०व०नी०म०हा०वि०द्या०॥ नृप्यनु०सू०म०हा०व०ला०॥ दि

दिद्यानरीकृ०हो०मा०थ०॥ पा०ना०ल०न०ल०वा०सि०न०दा०पी०॥ अ०य०पी०००सं०दा०दा०॥ क०उ०व०ला०न०वा०वि०ग०॥ नृ
 प्यनु०रु०ने०वा०॥ सिद्धा०॥ नृ०प०वी०ना०म०रु०ज०मा०॥ स्कूल०सू००गी०नी०गा०थ०॥ द०व०ना०म०रु०ना०य०का०॥ य
 क०क०क०रु०ना०थ०॥ क०रु०या०ला०॥ स०प०न०ग०॥ नृ०प्यनु०दि०ग्यं०ना०॥ सर्वं॥ नृ०प्यनु०व०म०सं०रु०वा०॥
 स०न०क०थ०स०न०द०थ०॥ नृ०ती०य०थ०स०ना०न०॥ क०पि०ल०ग्यं०सू०॥ ग्ये०व०॥ वा०रु०००प०य०नि०ख०रु०थ०॥ य
 धि०का०य०स०मी०रु०॥ य०ना०व०ना०ल०वा०रु०सा०॥ ग०अ०त्या०न०स०म०रु०ना०॥ उ०वि०मा०न०व०स०रु०वा०॥ नृ०प्यनु०
 क०य०॥ सर्वं॥ व०स्मा०या०था०गि०नी०ग०॥ ग००॥ ग००॥ व००॥ कि०न०ना०रु०॥ रू०मा०ग०म०यि०क०म०ला०॥ क०ष्मा०अ०रु
 ०मु०अ०थ०॥ स०क०ला०वा०व०द०दि०॥ नृ०प्यनु०पि०न०॥ सर्वं॥ पि०रु०मा०रु०स्व०वी०॥ जा०॥ मू०त्या०मू०त्या०मू
 थ०स०फ०॥ नृ०प्यनु०पि०न०॥ रू०॥ ग००॥ ग००॥ व००॥ य०सि०द्धा०य०ग०धा०॥ उ०रु०मा०॥ रू०वा०सि०थ
 द०अ०जा०क०ल०जा०अ०जा०॥ स०वा०ना०य०रु०मि०का०॥ रू०पि०न०प्यनु०सर्व०दा०॥ नृ०प्यनु०सर्व०न०व०॥ पि०अ

॥ सर्वविलादका ॥ ॐ निक्कलतप्य ॥ १ ॥ ततानामग्न्यावाग्नानस्त्वयि नृवर्गान् नृकृत्य यत् ॥
 तथ ॥ कश्चावालादय ॥ ॐ नैकोपि नृस्य ॥ स्वधा ॥ निवार्त्त ॥ ३ ॥ नैकोमा नृस्य ॥ स्वधा ॥ ३ ॥ नैको
 मागामदस्य ॥ स्वधा ॥ ३ ॥ नैकोमात्यावाग्नस्य ॥ स्वधा ॥ ॥ पुन ॥ नैकावगनिवाचम्य ॥ ॐ निवि
 षसं ध्याविधानं समार्य ॥ सन्ध्यादिलिङ्गावर्त्तनार्त्तनिर्दृश्य ॥ विद्यायी ० गृहं गत्वा सामा
 न्यार्चयान् कृत्वा दूग्व्येन पूजयेत् ॥ पूज्यं शुभं गदावर्त्तनं पाश ॥ विधिना कर्मावर्त्तनं कावयत् ॥